You downloaded this paper from cbse.biz

कक्षा-X हिंदी 'अ'
कोड संख्या-002
प्रश्न-पत्र प्रारूप

प्रश्नों के प्रकार	खंड 'क' अपठित बोध	खंड 'ख' रचना	खंड 'ग' व्यावहारिक व्याकरण	खंड 'घ' पाठ्य-पुस्तकें	विशेष टिप्पणी
अतिलघूत्तरात्मक	गद्यांश 6(6) काव्यांश 6(6)		क्रिया पद 2(2) अव्यय 2(2) पद परिचय 2(2) वाक्य-भेद 3(3) वाच्य 3(3) अलंकार 3(3)	काव्य सराहना 5(5)	भाव ग्रहण भाव ग्रहण बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध और प्रयोग बोध, अभिव्यक्ति
लघूत्तरात्मक प्रश्न	गद्यांश 6(3) काव्यांश 2(1)			काव्यांश पर प्रश्न 6(3) कविताओं की विषयवस्तु / मूल्य संदेश पर प्रश्न 9(3) गद्य पाठों पर तर्क/विश्लेषण संबंधी प्रश्न 9(3) पाठों के विचार पर -5(2) गद्यांश पर आधारित 6(3) अर्थग्रहण संबंधी पूरक-पुस्तक की विषयवस्तु पर-6(3)	भाव ग्रहण बोध, लेखन अभिव्यक्ति भाव ग्रहण बोध, लेखन अभिव्यक्ति बोध, लेखन अभिव्यक्ति बोध, लेखन अभिव्यक्ति बोध, लेखन और अभिव्यक्ति
निबंधात्मक प्रश्न		निबंध 10(1) पत्र 5(1)		कृतिका के पाठों पर -4(1)	

प्रश्न संख्या कोष्ठक के भीतर और अंक कोष्ठक के बाहर हैं।

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1

कक्षा-दसवीं

हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समय: 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'क'	20
1.	**निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दें :**	12
i)	समस्त ग्रंथों एवं ज्ञानी, अनुभवी जनों का कहना है कि जीवन एक कर्मक्षेत्र है। हमें कर्म के लिए जीवन मिला है। कठिनाइयाँ एवं दु:ख और कष्ट हमारे शत्रु हैं, जिनका हमें सामना करना है और उनके विरुद्ध संघर्ष करके हमें विजयी बनना है। अंग्रेज़ी के यशस्वी नाटककार शेक्सपीयर ने ठीक ही कहा है कि ''कायर अपनी मृत्यु से पूर्व अनेक बार मृत्यु का अनुभव कर चुके होते हैं किन्तु वीर एक से अधिक बार कभी नहीं मरते हैं।''	
ii)	विश्व के प्राय: समस्त महापुरुषों के जीवन वृत्त, अमरीका के निर्माता जॉर्ज वाशिंगटन और राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन से लेकर भारत के राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और भारत के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के जीवन-चरित्र हमें यह शिक्षा देते हैं कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता, अपराजेय व्यक्तित्व है। इन महापुरुषों को जीवन में अनेक संकटों का सामना करना पड़ा परन्तु वे घबराए नहीं, संघर्ष करते रहे और अन्त में सफल हुए। संघर्ष के मार्ग में अकेला ही चलना पड़ता है। कोई बाहरी शक्ति आपकी सहायता नहीं करती है। परिश्रम, दृढ़ इच्छा शक्ति व लगन आदि मानवीय गुण व्यक्ति को संघर्ष करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करते हैं।	
iii)	समस्याएँ वस्तुत: जीवन का पर्याय हैं यदि समस्याएँ न हों, तो आदमी प्राय: अपने को निष्क्रिय समझने लगेगा। ये समस्याएँ वस्तुत: जीवन की प्रगति का मार्ग प्रशस्त करती हैं। समस्या को सुलझाते समय, उसका समाधान करते समय व्यक्ति का श्रेष्ठतम तत्व उभरकर आता है। धर्म, दर्शन, ज्ञान, मनोविज्ञान इन्हीं प्रयत्नों की देन हैं पुराणों में अनेक कथाएँ यह शिक्षा देती हैं कि मनुष्य जीवन की हर स्थिति में जीना सीखे व समस्या उत्पन्न होने पर उसके समाधान के उपाय सोचें। जो व्यक्ति जितना उत्तरदायित्वपूर्ण कार्य करेगा, उतना ही उसके समक्ष समस्याएँ आएँगी और उनके परिप्रेक्ष्य में ही उसकी महानता का निर्धारण किया जाएगा।	
iv)	दो महत्वपूर्ण तथ्य स्मरणीय हैं - प्रत्येक समस्या अपने साथ संघर्ष लेकर आती है। प्रत्येक संघर्ष के गर्भ में विजय निहित रहती है। एक प्राचार्य ने विद्यालय छोड़ने वाले अपने छात्रों को यह सन्देश दिया था - तुम्हें जीवन में सफल होने के लिए समस्याओं से संघर्ष करने का अभ्यास करना होगा। हम कोई भी कार्य करें, सर्वोच्च शिखर पर पहुँचने का संकल्प लेकर चलें। सफलता हमें कभी निराश नहीं करेगी। समस्त ग्रंथों और महापुरुषों के अनुभवों का निष्कर्ष यह है कि संघर्ष से डरना अथवा उससे	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	विमुख होना लौकिक व पारलौकिक सभी दृष्टियों से अहितकर है, मानव धर्म के प्रतिकूल है और अपने विकास को अनावश्यक रूप से बाधित करना है। आप जागिए, उठिए, दृढ़-संकल्प और उत्साह एवं साहस के साथ संघर्ष रूपी विजय-रथ पर चढ़ जाएँ और अपने जीवन के विकास की बाधाओं रूपी शत्रुओं पर विजय प्राप्त कीजिए। (स्रोत - प्रतियोगिता दर्पण, शब्द सं-330)	
i)	मनुष्य के जीवन में सबसे जरूरी क्या है और क्यों?	1
ii)	महापुरुषों का जीवन क्या संदेश देता है?	2
iii)	समस्याओं से क्या तात्पर्य है?हमें उनका समाधान कैसे करना चाहिए?	2
iv)	मनुष्य का विकास कब रुक जाता है?	1
v)	उपर्युक्त गद्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।	1
vi)	अंतिम अनुच्छेद में 'विजय रथ' को किसका रूप माना है?	1
vii)	निम्नलिखित शब्दों के समानार्थी छाँटकर लिखिए - i) प्रसिद्ध (अनुच्छेद-i) ii) पक्का निश्चय (अनुच्छेद-iv)	1
viii)	निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थी छाँटकर लिखिए - i) सक्रिय (अनुच्छेद-iii) ii) पराजेय (अनुच्छेद-ii)	1
ix)	निम्नलिखित शब्द में आए उपसर्ग और प्रत्यय अलग कीजिए - i) उत्तरदायित्वपूर्ण ii) पारलौकिक	2
2.	**दिए गए काव्यांशों में से किसी एक को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दें -** नीलांबर परिधान हरित पट पर सुंदर हैं, सूर्य चंद्र युग-मुकुट, मेखला रत्नाकर हैं, नदियाँ प्रेम-प्रवाह, फूल तारे मंडल है, बंदीजन खग-वृंद, शेषफन सिंहासन है करते अभिषेक पयोद हैं, बलिहारी इस वेश की हे मातृभूमि! तू सत्य ही, सगुण मूर्ति सर्वेश की;	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	जिसकी रज में लोट-लोटकर बड़े हुए हैं, घुटनों के बल सरक-सरक कर खड़े हुए हैं, परमहंस सम बाल्यकाल में सब, सुख पाए, जिसके कारण 'धूल भरे हीरे कहलाए, हम खेले-कूदे हर्षयुत, जिसकी प्यारी गोद में हे मातृभूमि! तुझको निरख, मग्न क्यों न हो मोद में निर्मल तेरा नीर अमृत के सम उत्तम है, शीतल मंद सुगंध पवन हर लेता श्रम है, षट्ऋतुओं का विविध दृश्य युत अद्‌भुत क्रम है, हरियाली का फर्श नहीं मखमल से कम है, शुचि-सुधा सींचता रात में, तुझ पर चंद्रप्रकाश है हे मातृभूमि! दिन में तरणि, करता तम का नाश है जिस पृथ्वी में मिले हमारे पूर्वज प्यारे, उससे हे भगवान! कभी हम रहें न न्यारे, लोट-लोट कर वहीं हृदय को शांत करेंगे उसमें मिलते समय मृत्यु से नहीं डरेंगे, उस मातृभूमि की धूल में, जब पूरे सन जाएँगे होकर भव-बंधन-मुक्त हम, आत्मरूप बन जाएँगे।	
i)	प्रस्तुत काव्यांश में 'हरित पट' किसे कहा गया हैं?	1
ii)	कवि अपने देश पर क्यों बलिहारी जाता है?	1
iii)	कवि अपनी मातृभूमि के जल और वायु की क्या-क्या विशेषता बताता है?	1
iv)	कविता की जिन पंक्तियों में कवि का अतीत के प्रति प्रेम प्रकट हुआ है उन्हें छाँटकर लिखिए।	1
v)	मातृभूमि को ईश्वर का साकार रूप किस आधार पर बताया गया है?	1
vi)	धूल भरे हीरे किन्हें कहा गया है?	1
vii)	प्रस्तुत कविता का मूल भाव अपने शब्दों में लिखिए।	2
	अथवा	
	आज सवेरे जब बसंत आया उपवन में चुपके-चुपके कानों ही कानों मैंने उससे पूछा, ''मित्र! पा गए तुम तो अपने यौवन का उल्लास दुबारा	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	गमक उठे फिर प्राण तुम्हारे, फूलों–सा मन फिर मुसकाया पर साथी क्या दोगे मुझको? मेरा यौवन मुझे दुबारा मिल न सकेगा?'' सरसों की उंगलियाँ हिलाकर संकेतों में वह यों बोला, मेरे भाई! व्यर्थ प्रकृति के नियमों की यों दो न दुहाई, होड़ न बाँधो तुम यों मुझसे। जब मेरे जीवन का पहला पहर झुलसता था लपटों में, तुम बैठे थे बंद उशीर पटों से घिरकर। मैं जब वर्षा की बाढ़ों में डूब–डूब कर उतराया था तुम हँसते थे वाटर–प्रूफ़ कवच को ओढ़े। और शीत के पाले में जब गलकर मेरी देह जम गई तब बिजली के हीटर से तुम सेंक रहे थे अपना तन–मन जिसने झेला नहीं, खेल क्या उसने खेला? जो कष्टों से भागा, दूर हो गया सहज जीवन के क्रम से, उसको दे क्या दान प्रकृति की यह गतिमयता यह नव बेला। पीड़ा के माथे पर ही आनंद तिलक चढ़ता आया है मुझे देखकर आज तुम्हारा मन यदि सचमुच ललचाया है तो कृत्रिम दीवारें तोड़ो बाहर जाओ, खुलो, तपो, भीगो, गल जाओ आँधी तूफानों को सिर लेना सीखो जीवन का हर दर्द सहे जो स्वीकारो हर चोट समय की	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	जितनी भी हलचल मचनी हो, मच जाने दो रस-विष दोनों को गहरे में पच जाने दो तभी तुम्हें भी धरती का आशीष मिलेगा तभी तुम्हारे प्राणों में भी यह पलाश का फूल खिलेगा।	
i)	उपवन से कवि ने क्या माँगा?	1
ii)	धरती का आशीष मानव को कब सुलभ हो सकता है?	1
iii)	प्रकृति की गतिमयता और नवीनता पाने का अधिकारी कौन है?	1
iv)	मानव ने अपने को किन कृत्रिम दीवारों में कैद कर रखा है?	1
v)	''पीड़ा के माथे पर ही आनंद तिलक चढ़ता आया है'' - पंक्ति में 'आनंद तिलक' से कवि का क्या तात्पर्य है?	1
vi)	'कृत्रिम दीवारें तोड़ने' से कवि का आश है?	1
vii)	'सिर पर लेना' मुहावरे का अर्थ बताइए।	1
viii)	उपर्युक्त काव्यांश को उचित शीर्षक दीजिए।	1
	खण्ड 'ख'	**15**
3.	**निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए -**	10
क)	आज समाज में नारी की स्थिति कितनी बदली है?क्या आज भी उसका कार्यक्षेत्र घर की चारदीवारी है?नारी की स्थिति को बदलने में किस-किस की महत्वपूर्ण भूमिका है? अपने परिवेश से जुड़े उदाहरण देते हुए नारी की वर्तमान स्थिति का वर्णन कीजिए।	
ख)	आपके विचार में आधुनिकता क्या है?क्या आधुनिकता का मतलब पुरानी संस्कृति को छोड़ना और पाश्चात्य संस्कृति को अपनाना है? यदि नहीं तो हमारी भारतीय संस्कृति की वे कौन कौन-सी विशेषताएँ हैं जो पूरे विश्व को शांति का पाठ पढ़ाती हैं?	
ग)	आपने हाल ही में एक नृत्य और संगीत रंगारंग कार्यक्रम देखा है इस कार्यक्रम को देखकर आपको कैसा लगा?अपनी अनुभूति को अपने शब्दों में अभिव्यक्त कीजिए।	
4.	**अपने विद्यालय के शारीरिक रूप से चुनौती पूर्ण विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्यालय परिसर और कक्षा कक्ष में विशेष सुविधाओं की उपलब्धता के लिए विद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष को पत्र लिखिए।**	5

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	अथवा	
	आपको विद्यालय की ओर से लंदन-विद्यालय खेलकूद समारोह में भाग लेने के लिए भेजा गया। इस यात्रा व समारोह के अनुभव बताते हुए अपने मित्र को पत्र लिखें।	
	खण्ड 'ग'	**15**
5.	**(i) निम्नलिखित वाक्यों से दो क्रियापद छाँटकर उनका क्रिया-भेद भी लिखिए -**	2
	(क) जेब से चाकू निकाला।	
	(ख) आशीर्वाद सोता है।	
	(ग) मैंने पुस्तक खरीद ली।	
	(i) निर्देशानुसार उत्तर लिखिए -	2
	(क) अनुशासन .... जीवन निरर्थक है।	
	(संबंधबोधक अव्यय से रिक्त स्थान भरिए)	
	(ख) नहा-धो लो और खाना खाओ।	
	(समुच्चयबोधक अव्यय छाँटिए)	
6.	**(iii) रेखांकित पदों का व्याकरणिक परिचय दीजिए -**	2
	(क) शिवा <u>दूध</u> पी रहा था।	
	(ख) शशि <u>दसवीं</u> कक्षा में पढ़ती है।	
	(iv) निर्देशानुसार वाक्य बदलिए -	3
	(क) टोपी वाला बाबू कहाँ गया?(मिश्रवाक्य में)	
	(ख) छात्र परिश्रम करने से जीवन में सफल होते हैं। (संयुक्त वाक्य में)	
	(ग) राधा पाठ पढ़कर सो गई। (रचना के आधार पर वाक्यभेद बताइए)	
8.	**(अ) निर्देशानुसार वाच्य बदलिए -**	3
	(क) देव पुस्तक पढ़ता है। (कर्मवाच्य में)	
	(ख) ईना नहीं सोती। (भाववाच्य में)	
	(ग) पक्षियों से आकाश में उड़ा जाता है। (कर्तृवाच्य में)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
9.	**(vi) निम्नलिखित पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर अलंकारों के नाम लिखिए -**	3
	(क) बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा।	
	(ख) 'सूरदास' अबला हम भोरी, गुर चाँटी ज्यौं पागी।	
	(ग) काली घटा का घमंड घटा।	
	खण्ड 'घ'	**50**
10.	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक के पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए -(2x3)**	**6**
(क)	हमारैं हरि हारिल की लकरी। मन क्रम बचन नंद-नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी। जागत सोवत स्वप्न दिवस-निसि, कान्ह-कान्ह जक री। सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी। सु तौ ब्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी। यह तौ 'सूर' तिनहिं लैं सौंपौ, जिनके मन चकरी।	
(i)	गोपियों ने कृष्ण को किसके समान कहा और क्यों?	2
(ii)	योग संदेश के बारे में गोपियों की धारणा क्या है?	2
(iii)	गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा कैसे लोगों को देने की बात कही है? और क्यों?	2
(ख)	कितना प्रामाणिक था उसका दुख लड़की को दान में देते वक्त जैसे वही उसकी अंतिम पूँजी हो लड़की अभी सयानी नहीं थी अभी इतनी भोली सरल थी कि उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दुख बाँचना नहीं आता था पाठिका थी वह धुँधले प्रकाश की कुछ तुकों और कुछ लयबद्ध पंक्तियों की	
(i)	प्रस्तुत पंक्तियों में किसके दुख की बात हो रही है और क्यों?	2
(ii)	इन पंक्तियों को पढ़कर लड़की की जो छवि आपके सामने उभरकर आ रही है उसे शब्दबद्ध कीजिए।	2
(iii)	माँ को अपनी बेटी अंतिम पूँजी क्यों लग रही थी?	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
11.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (3+3+3)	9
(क)	कभी-कभी तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरता नज़र आता है उस समय संगतकार उसे बिखरने से बचा लेता है। इस कथन के आलोक में संगतकार की विशेष भूमिका को स्पष्ट कीजिए।	
(ख)	'**छाया मत छूना**' कविता में 'छाया' शब्द किस संदर्भ में प्रयुक्त हुआ है? कवि ने उसे छूने के लिए मना क्यों किया है?	
(ग)	आपके विचार से फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि हमें क्या संदेश देना चाहता है?	
(घ)	बादल से फुहार, रिमझिम या बरसने के स्थान पर 'गरजने' के लिए क्यों कहा गया? तर्कसहित उत्तर दीजिए।	
12.	**निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -**(1x5)	5
(क)	लखन कहेउ मुनि सुजसु तुम्हारा। तुम्हहि अछत को बरनै पारा।। अपने मुख तुम्ह आपनि करनी। बार अनेक भाँति बहु बरनी।। नहिं संतोषु त पुनि कछु कहहू। जनि रिस रोकि दुसह दुख सहहू।। बीरब्रती तुम्ह धीर अछोभा। गारी देत न पावहु सोभा।। सूर समर करनी करहिं कहि न जनावहिं आपु। बिद्यमान रन पाइ रिपु कायर कथहिं प्रतापु।।	
i)	प्रस्तुत पंक्तियों में किस रस की अनुभूति होती है?	1
ii)	इस काव्यांश में कौन-कौन से छंदों का प्रयोग हुआ है?	1
iii)	अनुप्रास अलंकार छाँटकर लिखिए।	1
iv)	प्रस्तुत पंक्तियों में कौन किसे संबोधित कर रहा है?	1
v)	यह काव्यांश किस भाषा में रचा गया है?	1
(ख)	मधुप गुनगुना कर कह जाता कौन कहानी यह अपनी, मुरझाकर गिर रहीं पत्तियाँ देखो कितनी आज घनी। इस गंभीर अनंत-नीलिमा में असंख्य जीवन-इतिहास यह लो, करते ही रहते हैं अपना व्यंग्य-मलिन उपहास तब भी कहते हो-कह डालूँ दुर्बलता अपनी बीती। तुम सुनकर सुख पाओगे, देखोगे - यह गागर रीति।	
(i)	मधुप किसका प्रतीक है?	1
(ii)	प्रस्तुत काव्यांश किस युग की रचना है?	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(iii)	काव्यांश किस शैली में रचा गया है?	1
(iv)	अलंकार छाँटकर लिखिए तथा नाम भी बताइए।	1
(v)	काव्यांश की भाषा लिखिए।	1
13.	**निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के प्रश्नों के उत्तर दीजिए -** (2x3)	6
(क)	शायद गिरती आर्थिक स्थिति ने ही उनके व्यक्तित्व के सारे सकारात्मक पहलुओं को निचोड़ना शुरू कर दिया। सिकुड़ती आर्थिक स्थिति के कारण और अधिक विस्फारित उनका अहं उन्हें इस बात की अनुमति नहीं देता था कि वे कम-से-कम अपने बच्चों को तो अपनी आर्थिक विवशताओं का भागीदार बनाएँ। नवाबी आदतें, अधूरी महत्वाकाक्षाएँ, हमेशा शीर्ष पर रहने के बाद हाशिए पर सरकते चले जाने की यातना क्रोध बनकर हमेशा माँ को कँपाती - थरथराती रहती थीं। अपनों के हाथों विश्वासघात की जाने कैसी गहरी चोटें होंगी वे जिन्होंने आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले पिता को बाद के दिनों में इतना शक्की बना दिया था कि जब-तब हम लोग भी उसकी चपेट में आते ही रहते।	
(i)	प्रस्तुत अवतरण में किसके व्यक्तित्व की बात की जा रही है तथा क्या कारण थे जिससे उस व्यक्तित्व की विशेषताएँ कम होती गईं?	2
(ii)	माँ क्यों काँपती थरथराती रहती थीं?	2
(iii)	'आँख मूँदकर सबका विश्वास करने वाले .... उसकी चपेट में आते ही रहते।' उपर्युक्त पंक्ति का आशय अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।	2
(ख)	सोचा आज वहाँ रूकेंगे नहीं, पान भी नहीं खाएँगे, मूर्ति की तरफ़ देखेंगे भी नहीं, सीधे निकल जाएँगे। ड्राइवर से कह दिया, चौराहे पर रुकना नहीं, आज बहुत काम है, पान आगे कहीं खा लेंगे। लेकिन आदत से मजबूर आँखें चौराहा आते ही मूर्ति की तरफ़ उठ गईं। कुछ ऐसा देखा कि चीखे, रोको। जीप स्पीड में थी, ड्राइवर ने ज़ोर से ब्रेक मारे। रास्ता चले लोग देखने लगे। जीप रुकते न रुकते हालदार साहब जीप से कूदकर तेज़-तेज़ कदमों से मूर्ति की तरफ़ लपके और उसके ठीक सामने अटेंशन में खड़े हो गए। मूर्ति की आँखों पर सरकंडे से बना छोटा-सा चश्मा रखा हुआ था, जैसा बच्चे बना लेते हैं। हालदार साहब भावुक हैं। इतनी-सी बात पर उनकी आँखें भर आईं।	
(i)	हालदार साहब रुकना क्यों नहीं चाहते थे?	2
(ii)	क्या देखकर हालदार साहब चीखे और क्यों?	2
(iii)	पंक्तियों के आधार पर हालदार साहब की दो विशेषताएँ बताइए।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
14.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** (3+3+3)	9
(क)	लेखक यशपाल को नवाब साहब के किन हाव-भावों से महसूस हुआ कि वे उनसे बातचीत करने के लिए तनिक भी उत्सुक नहीं है? 'लखनवी अंदाज़' पाठ के आधार पर बताइए।	
(ख)	'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे मन से संन्यासी नहीं थे?	
(ग)	'स्त्रियों को पढ़ाने से अनर्थ होते हैं' - कुतर्कवादियों की इस दलील का खंडन द्विवेदी जी ने कैसे किया है? अपने शब्दों में लिखिए।	
(घ)	बिस्मिल्ला खाँ के चरित्र की किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख कीजिए जिनसे आप बहुत अधिक प्रभावित हुए।	
15.	**(क) वास्तविक अर्थों में 'संस्कृत व्यक्ति' किसे कहा जा सकता है? 'संस्कृति' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।**	2
	(ख) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व और उनकी वेशभूषा का अपने शब्दों में चित्र प्रस्तुत कीजिए।	3
16.	**किसी एक प्रश्न का उत्तर दीजिए -**	4
(क)	मैं क्यों लिखता हूँ? - पाठ केआधार पर बताइए कि - हिरोशिमा की घटना विज्ञान का भयानकतम दुरुपयोग है आपकी दश्ज़्टि में विज्ञान का दुरुपयोग कहाँ-कहाँ और किस तरह से हो रहा है? आप इसे रोकने के लिए क्या-क्या कर सकते हो?	
(ख)	'और देखते ही देखते नई दिल्ली का काया पलट होने लगा' - नई दिल्ली के काया पलट के लिए क्या-क्या प्रयत्न किए गए होंगे? 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के संदर्भ में अपनी कल्पना शक्ति के आधार पर उत्तर दीजिए।	
17.	**निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए -** (2+2+2)	6
(क)	'साना साना हाथ जोड़ि' - पाठ के आधार पर बताइए कि कभी श्वेत तो कभी रंगीन पताकाओं का फहराना किन अलग-अलग अवसरों की ओर संकेत रकता है?	
(ख)	'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ के आधार पर बताइए कि अखबारों ने जिंदा नाक लगने की खबर को किस तरह प्रस्तुत किया?	
(ग)	'माता का अँचल' पाठ के आधार पर बताइए कि माँ भोलानाथ को किस प्रकार कन्हैया बनाती?	
(घ)	'एही ठैयाँ झुलनी हेरानी हो रामा!' पाठ के आधार पर बताइए कि संपादक ने यह क्यों कहा कि शर्मा द्वारा लिखी रिपोर्ट सच है, पर छप नहीं सकती?	

अंक योजना
प्रतिदर्श प्रश्नपत्र-1
कक्षा-दसवीं
हिंदी (पाठ्यक्रम-'अ')

समयः 3 घंटे **पूर्णांक - 100**

प्र.सं.	उत्तर संकेत/मूल्य बिंदु			अंक
	खण्ड 'क'			
1.	**अपठित गद्यांश बोध -**			
i)	मनुष्य के जीवन में सबसे ज़रूरी है कर्म पथ पर चलना, निरंतर कर्म करते रहना क्योंकि संघर्ष ही हमें सदैव विजयी बनाता है।			1
ii)	महापुरुषों का जीवन हमें यह संदेश देता है कि महानता का रहस्य संघर्षशीलता एवं अपराजेय व्यक्तित्व है। संघर्ष से हमें डरना नहीं चाहिए।			2
iii)	समस्याएँ जीवन का पर्याय हैं, वे हमें निरंतर कर्मशील बनाए रखती है। हमें उनका समाधान सोच-समझकर धैर्यपूर्वक करना चाहिए।			2
iv)	मनुष्य का विकास तब रूक जाता है जब वह समस्याओं से घबरा जाता है और उनसे मुख मोड़ने लगता है।			1
v)	संघर्षः सफलता का आधार।			1
vi)	विजय रथ को संघर्ष का रूप माना गया है।			1
vii)	i) यशस्वी	ii) दृढ़-संकल्प		1
viii)	i) निष्क्रिय	ii) अपराजेय		1
ix)	i) उपसर्ग	मूलशब्द	प्रत्यय	2
	उत्तर	दायित्व	पूर्ण	
	ii) पार	लोक	इक	
2.	i) हरित-पट शस्य श्यामला धरती, वन वनस्पति और चहुँ ओर फैली हरियाली के लिए कहा गया है।			1
	ii) इसके अनुपम, अतुलनीय सौन्दर्य के कारण हरीतिमा भरे वातावरण के कारण उपयोगी नदियों व रत्नाकर द्वारा प्रदान की जाने वाली अमूल्य संपदा के कारण कवि अपने देश पर बलिहारी जाता है। (किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित है) (½ + ½)			1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	iii) यहाँ का जल अत्यंत शीतल एवं स्वच्छ है, निर्मल है तथा वायु मंद, सुगंधित तथा शीतलता प्रदान करने वाली है।	1
	iv) अतीत के प्रति प्रेम प्रकट करने वाली पंक्ति 'जिस पृथ्वी में मिले हमारे पूर्वज प्यारे'	1
	v) मातृभूमि ईश्वर का साकार रूप है, सूर्य व चाँद इसके मुकुट के समान एवं शेषनाग का फन इसके सिंहासन की भाँति है, इस का अभिषेक निरंतर बादल करते हैं, पक्षियों का समूह निरंतर इसका गुणगान करता है, अनेक नदियाँ इसका सिंचन करती हैं।	2
	(किन्हीं दो बिंदुओं का उल्लेख करने पर एक अंक दिया जाएगा।)	
	vi) धूल भरे हीरे अर्थात् मातृभूमि की योग्य एवं अमूल्य संतानें।	1
	vii) प्रस्तुत कविता का मूल भाव यह है कि हमारी मातृभूमि के अनुपम व अतुलनीय सौन्दर्य पर हम बार-बार बलिहारी जाते हैं।	1
	अथवा	
	i) उपवन से कवि ने अपने यौवन का उल्लास माँगा।	1
	ii) धरती का आशीष मनुष्य को सुलभ तभी होता है जब सुख व दुख दोनों को ही वह समान दृष्टि से देखे, दोनों का सामना करे।	1
	iii) प्रकृति की गतिमयता और नवीनता पाने का अधिकारी वही है जो जीवन को सहजता से जिए, उसका सामना करे।	1
	iv) ये कृत्रिम दीवारे हैं - समस्त सुख-सुविधा प्रदान करने के साधन, बिजली के हीटर ठंडी वायु प्रदान करने वाले आधुनिक उपकरण आदि।	1
	v) ''आनंद तिलक'' अर्थात् विजय-अभिनंदन का आनंद, संघर्ष करने वाला व्यक्ति ही विजयी होता है और आनंद प्राप्त करता है।	1
	vi) कृत्रिम दीवारें तोड़ने से आशय है कि जीवन के बनावटीपन व दु:खों से दूर भागने की सभी प्रवृत्तियों को त्यागना।	1
	vii) सिर पर लेना अर्थात् 'सामना करना'।	1
	viii) उपयुक्त शीर्षक : 'आनंद का वास्तविक अधिकारी' (अन्य उचित शीर्षक भी स्वीकार किए जाएँ)	1
	खण्ड 'ख'	
3.	**निबंध लेखन**	
क)	i) भूमिका	1

प्र.सं.	प्रश्न	अंक

	ii) विचार बिंदुओं का विषयानुरूप विवेचन
	• प्राचीन समय में नारी को शिक्षा का अधिकार नहीं।
	  • महत्त्वपूर्ण कार्यों में निर्णय और योगदान का अधिकार नहीं
	  • पूर्णत: दूसरों पर आश्रित
	  • स्वतंत्र रूप से कार्य न कर पाना
	  • शारीरिक और मानसिक रूप से पीड़ित
	  • केवल चारदीवारी ही उसका कार्यक्षेत्र
	• आज नारी शिक्षित है, पूर्णत: स्वतंत्र है
	  • आत्मनिर्भर है, महत्त्वपूर्ण निर्णयों का अधिकार है विभिन्न क्षेत्रों में उच्च पदों पर भी आसीन है समाज और राष्ट्रनिर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रही है
	  • महत्त्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त महिलाओं के उदाहरण दिए जाएँ
	  • विद्यार्थी के परिवेश के सभी उदाहरणस्वीकार्य हों।
	(किन्हीं छह बिंदुओं पर पूरे छह अंक दिए जाएँ तथा विद्यार्थी के अपने मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ)
		6

	iii) उपसंहार	1
	iv) भाषा शैली	2
ख)	विचार-बिंदु - • समय और परिस्थिति के अनुरूप परिवर्तन, विकास की ओर अग्रसर होना, बदलते समय के अनुरूप जीवन मूल्यों में बदलाव आदि। • पुराने रीति-रिवाजों, संस्कारों तथा परंपराओं में सही और उपयोगी का चुनाव कर नई बातों का समन्वय करना। • केवल पाश्चात्य संस्कृति-सभ्यता को अपनाना ही आधुनिकता नहीं, बल्कि अच्छे और सृजनात्मक कार्यों से अपनी संस्कृति और मूल्यों को महत्त्व देना। • भारतीय संस्कृति की विशेषताएँ - अहिंसा, सर्वधर्म समभाव, सौहार्द-मैत्री, वसुधैव कुटुम्बकम की भावना आदि। (किन्हीं छह बिंदुओं पर पूरे 6 अंक दिए जाएँ तथा विद्यार्थी के मौलिक विचार भी स्वीकार किए जाएँ)	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
ग)	विचार-बिंदु	
	• विभिन्न कलाकारों द्वारा नृत्यों की प्रस्तुति	
	• मनमोहक ढंग से मंचन	
	• सुंदर और चित्ताकर्षक भाव भंगिमाएँ	
	• मनभावन संगीत	
	• प्रस्तुति का आँखों देखा वर्णन अपने शब्दों में विद्यार्थी अभिव्यक्त करेंगे। विद्यार्थियों की मौलिक अभिव्यक्ति के शुद्ध वर्णन पर पूरे 6 अंक दिए जाएँ।	
4.	पत्र-लेखन	5
	i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	2½
	• विशेष फर्नीचर	
	• भूतल पर कक्षा कक्ष तथा रैम्प निर्माण	
	• विशेष प्रसाधन कक्ष	
	• खेलकूद की व्यवस्था	
	• स्वास्थ्य संबंधी सुविधा आदि	
	iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	1
	अथवा	
	i) पत्र औपचारिकताओं के लिए	1½
	ii) विषय में दी गई सूचनाओं का प्रयोग और विषयानुरूप विषय सामग्री	
	• खेलकूद समारोह में भाग लेना एक सुखद अनुभव, भारत का प्रतिनिधित्व गौरव की बात, यात्रा का वर्णन, प्राकृतिक सौंदर्य का वर्णन, वहाँ के लोगों के रहन-सहन, खान-पान और कार्यशैली का वर्णन आदि, स्वर्ण-पदक पाना जीवन की महत्त्वपूर्ण उपलब्धि	2½
	iii) शुद्ध भाषा और प्रस्तुति	2
5.	(i) (क) निकाला। - सकर्मक क्रिया।	
	अथवा	
	(ख) सोता है। - अकर्मक क्रिया।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(ग) खरीद ली। – संयुक्त क्रिया।	
	(ii) अव्यय	
	(क) अनुशासन के बिना जीवन निरर्थक है।	
	(ख) और – समुच्चयबोधक अव्यय।	
6.	(iii) शब्दों का व्याकरणिक परिचय –	2
	(क) 'दूध' – जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्मकारक।	
	(ख) दसवीं – संख्यावाची विशेषण, क्रमसूचक 'कक्षा' विशेष्य का विशेषण, स्त्रीलिंग।	
7.	(iv) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन –	3
	(क) मिश्रवाक्य – वह बाबू कहाँ गया, जिसने टोपी पहन रखी है।	
	(ख) संयुक्त वाक्य – छात्र परिश्रम करते हैं और जीवन में सफल होते हैं।	
	(ग) वाक्य-भेद – सरल वाक्य।	
8.	(v) निर्देशानुसार वाच्य परिवर्तन –	3
	(क) कर्मवाच्य – देव से पुस्तक पढ़ी जाती है।	
	(ख) भाववाच्य – ईना से सोया नहीं जाता।	
	(ग) कर्तृवाच्य – पक्षी आकाश में उड़ते हैं।	
9.	(vi) अलंकार	3
	(क) बाल बिलोकि बहुत मैं बाँचा।	
	'ब' वर्ण की आवृति होने के कारण – अनुप्रास अलंकार।	
	(ख) चाँटी ज्यौं पागी! – में उपमा अलंकार है।	
	(ग) काली घट का घमंड घटा – यमक अलंकार	
	(i) घटा – बादल।	
	(ii) घटा – कम होना।	
	इसलिए इस पंक्ति में यमक अलंकार की छटा है।	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	खण्ड 'घ'	
10.	(क)(i) गोपियों ने कृष्ण को हारिल पक्षी की लकड़ी के समान कहा है। जैसे हारिल पक्षी अपने पंजों से लकड़ी को नहीं छोड़ता वैसे ही गोपियाँ श्रीकृष्ण को नहीं छोड़ सकती। मन, वचन और कर्म से कृष्ण की भक्ति को गोपियों ने दृढ़ता से पकड़ा हुआ है। (1+1)	2
	(ii) गोपियाँ कृष्ण के प्रेम में पूर्ण रूप से आसक्त है उन्हें उद्धव द्वारा दिया गया योग संदेश कड़वी ककड़ी के समान निरर्थक लगता है। योग संदेश एक ऐसी बीमारी है जिसके बारे में गोपियों ने न कभी सुना तथा न कभी देखा। (1+1)	2
	(iii) गोपियों ने उद्धव से योग की शिक्षा ऐसे लोगों को देने की बात कही है जिनका मन चकरी की तरह चंचल है। गोपियों का मन कृष्ण-भक्ति में स्थिर है इसलिए वह किसी भी परिस्थिति में कृष्ण-भक्ति छोड़ योग-साधना अपना नहीं सकती।	2
	(ख)(i) प्रस्तुत पंक्तियों में माँ के दुख की बात हो रही है। माँ बेटी का कन्यादान कर रही है। (1+1)	2
	(ii) लड़की भोली और सरल स्वभाव की थी। वह अभी सयानी भी नहीं हुई। उसे सुख का आभास था लेकिन दुख बाँटना नहीं आता था।	2
	(iii) बेटी माँ के सबसे निकट और उसके सुख-दुख की साथी होती है। इसी कारण उसे अंतिम पूँजी कहा गया है।	2
	कोई तीन उत्तर अपेक्षित है -	
11.	(क) कविता गायन में मुख्य गायक का साथ देने वाले संगतकार की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। जब तारसप्तक की ऊँचाई पर पहुँचकर मुख्य गायक का स्वर बिखरने लगता है या गायक अंतरे की जटिल तानों में उलझ जाता है तब संगतकार मुख्य गायक के स्वर में स्वर मिलाकर बिगड़ती हुई परिस्थिति को संभाल लेता है। वह अपने स्वर को मुख्य गायक के स्वर से ऊँचा नहीं जाने देता। यही उसकी विनम्रता है जो उसे विशिष्ट बनाती है।	3
	(ख) 'छाया मत छूना' कविता में 'छाया' शब्द भ्रम या दुविधा के अर्थ में आया है। जीवन में सुख और दुख दोनों की उपस्थिति होती है। बीते हुए समय में मिला सुख छाया की तरह है वर्तमान समय में उसे याद कर हम अपने दुख को और अधिक बढ़ा लेते हैं इसलिए कवि ने उसे छूने के लिए मना किया है।	3
	(ग) प्रकृति और मनुष्य के सहयोग से ही सृजन संभव है। फसल को तैयार करने में करोड़ों किसानों के हाथों का श्रम होता है। किसानों के हाथों का स्पर्श पाकर ही फसल फलती-फूलती है मनुष्य का पोषण करती है।	3

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(घ) बादल पीड़ित-प्यासे जन की आकांक्षा को पूरा करने वाला है। वह नई कल्पना और नए अंकुर के लिए विध्वसं, विप्लव और क्रांति चेतना को संभव करने वाला भी है।	
12.	(क) (i) वीर रस (ii) दोहा-चौपाई छंद (iii) 'बहु-बरनी', 'कछु कहहू', 'रिस रोकि', 'दुसह दुख', 'सूर समर', 'करनी करहिं कहि', 'कायर कथहिं' (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है) (iv) लक्ष्मण परशुराम को संबोधित कर रहे हैं। (v) अवधी	5
	(ख) (i) मन रूपी भौंरा (ii) छायावादी युग (iii) आत्मकथात्मक शैली (iv) 'कर कह', 'कौन कहानी', 'सुनकर सुख' - अनुप्रास अलंकार (किन्हीं दो का उल्लेख अपेक्षित है) (v) संस्कृतनिष्ठ खड़ी बोली	5
13.	**दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश के उत्तर अपेक्षित हैं -**	6
(क)	(i) प्रस्तुत अवतरण में लेखिका मन्नू भंडारी के पिता के व्यक्तित्व की बात की जा रही है। गिरती आर्थिक स्थिति तथा अपने ही लोगों द्वारा धोखा दिए जाने के कारण उनके व्यक्तित्व की विशेषताएँ कम होती गईं।	2
	(ii) लेखिका के पिता अहंकारी थे। घर की आर्थिक स्थिति के बिगड़ने, नवाबी आदतों तथा इच्छाओं की पूर्ति न होने से पिता का सारा क्रोध माँ पर निकलता इसलिए माँ काँपती थरथराती रहती थीं।	2
	(iii) लेखिका के पिता पहले सब पर आसानी से विश्वास करते थे लेकिन जब अपने लोगों ने ही उनके साथ धोखा किया तो उनका स्वभाव शक्की हो गया। वे लेखिका तथा उनके भाई बहनों को भी शक की निगाह से देखते।	2
(ख)	(i) कैप्टन की मृत्यु के बाद नेताजी की मूर्ति पर चश्मा पहनाने वाला कोई नहीं था। हालदार साहब बिना चश्मे के नेताजी की मूर्ति देखना नहीं चाहते थे इसलिए वह रूकना नहीं चाहते चाहते थे।	2
	(ii) नेताजी की मूर्ति पर लगा चश्मा देखकर हालदार साहब चीखे। उन्हें विश्वास हो गया कि अभी भी हमारे देश में देशभक्त हैं।	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
	(iii) हालदार साहब सच्चे देशभक्त हैं। वे संवेदनशील हैं।	2
14.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं – (प्रत्येक उत्तर में तीन बिंदुओं का विस्तार अपेक्षित)**	9
(क)	(i) नवाब साहब की आँखों में एकांत चिंतन में विघ्न का असंतोष दिखाई दिया। (ii) कहानी के लिए सूझ की चिंता में हों। (iii) खीरे जैसी अपदार्थ वस्तु का शौक करते देखे जाने के संकोच में हो। (iv) संगति के लिए उत्साह नहीं दिखाया। (किन्हीं तीन बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित है) (1+1+1)	3
(ख)	फ़ादर बुल्के जिससे भी रिश्ता बनाते, उसे तोड़ते नहीं थे। जब भी वे दिल्ली आते लेखक से मिलने जरूर आते। परिवार के सभी सदस्यों का हालचाल पूछते। किसी भी उत्सव और संस्कार में बड़े भाई और पुरोहित की तरह खड़े हो सबको आशीर्वाद देते। (1+1+1)	3
(ग)	स्त्रियों का किया हुआ अनर्थ यदि पढ़ाने का ही परिणाम है तो पुरुषों का किया हुआ अनर्थ भी उनकी विद्या का ही परिणाम समझना चाहिए। मनुष्य की हत्या करना, डाके डालना, चोरी तथा रिश्वत लेना – ये सभी कार्य अधिकतर पुरुषों द्वारा ही किए जाते हैं तो सारे शिक्षा संस्थान बंद हो जाने चाहिए।	
(घ)	सच्चे इंसान, श्रेष्ठ शहनाई वादक, सादा जीवन उच्च विचार के सद्धिांत वाले, भारतीय संस्कृति के प्रति गहरा लगाव, हिंदू-मुस्लिम एकता के समर्थक, सर्वधर्म समभावी, संगीत साधना के प्रति पूर्ण समर्पित। (1+1+1) (इनमें से किन्हीं तीन विशेषताओं का उल्लेख करने पर पूरे तीन अंक दिए जाए)	3
15.	(क) नई चीज़ की खोज़ करने वाले को संस्कृत व्यक्ति कहा जाता है। वह अपनी बुद्धि या विवेक से नए तथ्य का दर्शन कर संस्कृति व्यक्ति कहलाता है।	2
	(ख) मंझला कद, गोरा रंग, उम्र साठ साल से ऊपर, सफेद बाल, सफेद बालों से जगमग करता चेहरा। कमर में एक लंगोटी और सिर पर कबीरपंथियों के समान कनफटी टोपी। सर्दियों में काली कमली ओढ़ते। (1½ +1½)	3
16.	कोई एक उत्तर अपेक्षित है –	

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(क)	'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने हिरोशिमा की घटना का उल्लेख कर विज्ञान के भयानकतम दुरुपयोग की ओर ध्यान आकृष्ट किया है। विज्ञान का दुरुपयोग जीवन के हर क्षेत्र में हो रहा है। शक्तिशाली देश बम विस्फोट कर छोटे-छोटे तथा विकासशील देशों पर कब्जा कर लेते हैं। आतंकवादी संगठन वैज्ञानिक अस्त्रों-शस्त्रों का प्रयोग कर अपनी हर बात मनवा लेते हैं। खेतों में कीटनाशक और जहरीले रासायनिक द्रव्य छिड़के जाते हैं। फसल की मात्रा अधिक होती है लेकिन पौष्टिक तत्व कम हो जाते हैं। विज्ञान के उपकरणों का प्रयोग करने से वातावरण में गरमी बढ़ जाती है। प्रदूषण बढ़ रहा है। बर्फ़ पिघलने से बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। प्राकृतिक आपदाएँ भयंकर रूप ले रही है। वैज्ञानिक उपकरणों का प्रयोग सावधानी से करूँगा। प्रदूषण फैलाने वाली वस्तुओं का प्रयोग कम से कम करूँगा। आस-पास के वातावरण को साफ-सुथरा रखने की कोशिश करूँगा। प्रकृति के सम्पर्क में अधिक समय सुख-सुविधाओं की कृत्रिम दीवारें तोड़कर (किन्हीं चार-चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (2+2)	4
(ख)	(i) सरकारी भवनों को रंगा तथा सजाया-सँवारा गया होगा। (ii) ऐतिहासिक तथा सार्वजनिक स्थलों को साफ-सुथरा किया गया होगा। (iii) सरकारी इमारतों पर लाइटें लगाईं गईं होंगी। (iv) सभी फव्वारों की सफाई की होगी। (v) बहुत समय से बंद पड़े फव्वारे भी चलाए गए होंगे। (vi) सड़कों को नया बनाया होगा। (vii) सड़कों के किनारे झंडे तथ पताकाएँ लगाई गई होंगी। (viii) बाग-बगीचों को सुंदर बनाया गया होगा। (ix) स्थान-स्थान पर सुरक्षा का प्रबंध किया गया होगा (किन्हीं चार बिंदुओं का उल्लेख अपेक्षित) (2+2)	4
17.	**किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित हैं -** (2+2+2)	6
(क)	(i) बौद्ध धर्म के अनुयायी की मृत्यु होने पर उसकी आत्मा की शांति के लिए पवित्र स्थान पर एक सौ आठ सफ़ेद पताकाएँ फहराई जाती हैं।	2
	(ii) किसी नए कार्य के आरंभ करने पर रंगीन पताकाएँ फहराई जाती हैं। (1+1)	2

प्र.सं.	प्रश्न	अंक
(ख)	जॉर्ज पंचम के नाक लग गई। जॉर्ज पंचम के ज़िंदा नाक लगाई गई यानी ऐसी नाक जो कहीं से भी पत्थर की नहीं लगती।	2
(ग)	माँ भोलानाथ के सिर पर बहुत सारा तेल मलतीं, काज़ल की बिंदी लगाकर चोटी गूँथतीं और उसमें फूलदार लट्टू बाँधकर रंगीन कुरता-टोपी पहनाकर उन्हें कन्हैया बना देतीं।	2
(घ)	रिपोर्ट को छापने से अंग्रेजी सरकार नाराज हो जाएगी। सरकार को नाराज करने का मतलब था अखबार का बंद हो जाना।	2

You downloaded this paper from cbse.biz